



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 58] नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 21, 1986/फाल्गुन 2, 1907
No. 58] NEW DELHI, FRIDAY, FEB. 21, 1986/PHALGUNA 2, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1986

का. आ. 63(क) :—केन्द्रीय सरकार, विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण)
अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिकरण
गठित करती है, जिसमें गोहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, श्री न्यायमूर्ति
एस. एन. फूकन होंगे।

[फा. सं. 8/10/86-एन. ई. 1]

आर. वासुदेवन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

Dated, 21st February, 1986

S.O. 63(E).—In exercise of the powers conferred by subsection (i) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby constitutes the "Unlawful Activities (Prevention) Tribunal" consisting of Shri Justice S. N. Phukan, Judge of the Gauhati High Court.

[F. No. 8/10/86.NE.1]

R. VASUDEVAN, Jt. Secy.